डी.ई.सी.ई

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा में डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रीय कार्य 1 से 3
(जनवरी 2024 एवं जुलाई 2024)

डी.ई.सी.ई–1

डी.ई.सी.ई–2

डी.ई.सी.ई–3

सत्रीय कार्य–1-3

जनवरी 2024 और जुलाई 2024

कार्यक्रम कोड : डीईसीई

प्रिय विद्यार्थी,

इस डिप्लोमा कार्यक्रम में आपको तीन सत्रीय कार्य करने हैं। **ये तीनों सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है।**

डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए आपको तीनों सत्रीय कार्यों में उत्तीर्ण होना आवष्यक है। प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीन भाग हैं – भाग 'क', 'ख' एवं 'ग'। भाग 'क' में सैद्धांतिक पक्ष से संबंधित प्रश्न हैं और भाग 'ख' एवं 'ग' में प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य के 100 अंक हैं। इसमें 60 अंक भाग 'क' के हैं और 20-20 अंक भाग 'ख' एवं 'ग' के लिए हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के तीनों भाग अनिवार्य हैं। यदि कोई भाग छूट जाएगा तो आपका सत्रीय कार्य पूरा नहीं माना जाएगा और आपको अंक नहीं मिलेंगे। आपको सत्रीय कार्य दोबारा करना पड़ेगा।

तीनों सत्रीय कार्यों के भाग 'क' के प्रश्न इस पुस्तिका में हैं। सत्रीय कार्य का भाग 'ख' व भाग 'ग' प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। इन अभ्यासों का विस्तृत ब्यौरा प्रत्येक पाठ्यक्रम से संबद्ध प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में छपा है, जो आपको प्रत्येक पाठ्य सामग्री के साथ मिल गई होगी। **प्रत्येक नियमावली में 9 से 10 अभ्यास हैं, जिसमें से आपको दो अभ्यास सत्रीय कार्य हतु करने हैं।** प्रत्येक नियमावली में से कौन-से अभ्यास सत्रीय कार्य के लिए करने हैं, यह इस पुस्तिका में छपे सत्रीय कार्य के भाग 'ख' तथा भाग 'ग' में बताए गए सिद्धांतों और संकल्पनाओं को वास्तविक जीवन से जोड़ पाएंगे। **फिर भी हमारा सुझाव है कि आप प्रयोगात्मक नियमावली में दिए गए सभी 9 या 10 अभ्यासों को करें।** ऐसा करने से आप बच्चों के साथ अंतःक्रिया करने के कौशल भी विकसित कर पाएंगे और परियोजना कार्य (यानी, पाठ्यम 4) करने में आपको सहायता मिलेगी। साथ ही, सभी अभ्यास करने के बाद आप मूल्यांकन के लिए वह प्रयोगात्मक अभ्यास भेज सकते हैं जो आपने बेहतर रूप से किया हो।

सत्रीय कार्यों का उद्देश्य : इन सत्रीय कार्यों का एक उद्देश्य यह मूल्यांकन करना है कि पाठ्यक्रमों में वर्णित संकल्पनाओं को आप कितनी अच्छा तरह समझ पाए हैं। इसका मूल्यांकन भाग 'क' में दिए गए प्रश्नों से किया जाएगा। इन सत्रीय कार्यों का दूसरा लक्ष्य यह जानना भी है कि आप इन संकल्पनाओं को दिन-प्रतिदिन की स्थितियों में किस हद तक लागू कर सकते हैं। इसका मूल्यांकन भाग 'ख' और 'ग' में बताए गए प्रयोगात्मक अभ्यासों से किया जाएगा। प्रयोगात्मक अभ्यासों द्वारा आपको बच्चों के विकास के बारे में समझने का अवसर मिलेगा और आप खंडों में बताए गए सिद्धांतों और संकल्पनों को वास्तविक जीवन से जोड़ पाएंगे।

सत्रीय कार्य से संबंधित बातें :

करें :

1) जैसे ही आपको सत्रीय कार्य पुस्तिका मिले, आप उसे अच्छी तरह देख लें कि उसमें सभी पृष्ठ हैं या नहीं। यदि कोई पृष्ठ न हो तो उसके बारे में हमें सूचित करें।

2) सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में जमा करें।

3) सत्रीय कार्य जमा करने से पहले उसकी एक फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) अपने पास अवश्य रखें। यदि आपके द्वारा जमा किया गया सत्रीय कार्य किसी कारणवश खो जाता है तो आपसे उसकी फोटोकॉपी (प्रतिलिपि) जमा करने के लिए कहा जाएगा।

4) हमारे पास भेजे गए सत्रीय कार्य और जाँचे गए पत्रकों का लेखा-जोखा रखें। यह आपको अपने कार्य की अनुसूची बनाने में सहायक होगा और आप उसी सत्रीय कार्य को दोबारा नहीं भेजेंगे।

न करें :

1) जाँचे गए उत्तर-पत्र को भेजने के लिए हमसे संपर्क/पत्र-व्यवहार न करें। जितनी जल्दी हो सकेगा हम जाँचे गए उत्तर-पत्र आपको भेज देंगे।

2) जाँचे जा चुके सत्रीय कार्य को गुम न होने दें। जब तक यह पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो जाता, तब तक आपको कभी भी इसकी ज़रूरत पड़ सकती है।

3) सत्रीय कार्य के साथ अपनी पुष्टि के लिए प्रश्न न भेजें। अगर आप हमारा ध्यान किसी महत्त्वपूर्ण या ज़रूरी बात की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, तो हमें अलग से पत्र लिखकर बताइए। अपने पत्र के ऊपर अपना नाम, पता, पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य संख्या, इत्यादि लिखें।

निर्देश :

सत्रीय कार्य करने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक अवश्य लिखें।

2. अपने उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य का कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें जिससे आप संबद्ध हैं।

शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य के उत्तर-पत्र का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से होगा :

पाठ्यक्रम शीर्षक	नामांकन संख्या ....
सत्रीय कार्य सं.	नाम ....
अध्ययन केंद्र	पता ....
	....
	दिनांक ....

उपर्युक्त फॉरमेट का अनुसरण करें। ऐसा न किए जाने पर आपका सत्रीय कार्य आपको लौटा दिया जाएगा और उसे सही फॉरमेट में दुबारा जमा कराना पड़ेगा।

3. कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देशों को पढ़ें।

4. कृपया नोट करें कि यदि आप पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य निर्धारित समय से अपने अध्ययन केंद्र में नहीं जमा कराते हैं तो आपको पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. **इस सत्रीय कार्य के भाग 'क' 'ख' और 'ग' को एक साथ संलग्न कर जमा कराएँ, अन्यथा आपका सत्रीय कार्य बिना जाँचे आपको लौटा दिया जाएगा।**

सत्रीय कार्य-2
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : डी.ई.सी.ई.-2

सत्रीय कार्य कोड : डी.ई.सी.ई.-2 / सत्रीय कार्य-2 / टीएमए- 2 / 2024

जनवरी 2024 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 30 सितंम्बर, 2024 **(कुल अंक = 100)**

जुलाई 2024 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2025

भाग (क), (ख) और (ग) तीनों अनिवार्य हैं।

भाग (क)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(60 अंक)**

1. बताएं कि पिछले कुछ वर्षो में स्वास्थ्य की अवधरणा कैसे बदल गई है और इसके विभिन्न आयामों का वर्णन करें। (500 शब्द : 5 अंक)
2. किन्ही दो विटामिनों और दो खनिजों के प्रमुख स्रोतों और कार्यों की सूची बनाएं। (800 शब्द : 12 अंक = 3 अंक प्रति पोषक तत्व)
3. 3 साल के बच्चे के लिए एक दिन का संतुलित मेनू सुझाएं, जिसमें बताया जाए कि बच्चा नाश्ता, मध्य सुबह, दोपहर का भोजन, मध्य दोपहर और रात के खाने में क्या खएगा। यह भी बताएं कि दिन में अलग–अलग समय पर मेनू में उल्लिखित प्रत्येक खाद्य पदार्थ से बच्चे को कौन सा पोषक तत्व मिलेगा। (500 शब्द : प्रति भोजन 5 अंक = 20)
4. नवजात शिशु की तात्कातिक देखभाल और गौण विसंगतियाँ के बारे में लिखें। (300 + 300 शब्द; 3 + **3** = 6 अंक)
5. बताएं कि विकास की निगरानी के लिए ऊपरी बाँह के मध्य भाग की परिधि का उपयोग कैसे करें। (500 शब्द : 5 अंक)
6. किसी एक खाद्य अनुपूरक कार्यक्रम के बारे में लिखें। (400शब्दः 4 अंक)
7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के लक्षण, कारण और उपचार के बारे में लिखें :(प्रत्येक 300 शब्द : 4x2= 8 अंक)
   क) स्कैबीज़
   ख कान का दर्द

भाग (ख) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-2 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए हैं। अभ्यास संख्या 2 या 3 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन दोनों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पष्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्षदाता को भेजें।

इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्षी निर्देषों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं। यदि किसी अभ्यास के अंक 20 से अधिक है तो परामर्शदाता पूरे अभ्यास को पढ़ने के बाद अंकों को 20 में से परिवर्तित कर देगी।

भाग (ग) (20 अंक)

इस भाग में आपको इस पाठ्यक्रम, अर्थात् डीईसीई-2 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में दिए गए हैं। अभ्यास संख्या 5, 6 या 7 में से कोई एक अभ्यास करना है।

तथापि इन दोनों अभ्यासों को करना आपके लिए उपयोगी होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अच्छा लगे, उसे इस सत्रीय कार्य के उत्तरों के साथ संलग्न कर, मूल्यांकन के लिए परामर्षदाता को भेजें। इन अभ्यासों के ब्यौरे प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित हैं। प्रत्येक अभ्यास के लिए निर्धारित मार्गदर्षी निर्देषों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुसार अभ्यास करें। प्रत्येक अभ्यास के विभिन्न घटकों के लिए निर्धारित अंक नियमावली में ही दिए गए हैं।